Progress Report 2008-09

We working on

- **Environment**
- **Livelihood**
- **HIV/AIDS**
- **Governance**
- **Community Health**
- **Youth & Child Rights**

RIGHTS
with
DIGNITY

Community Development Centre

Opposite Maharishi Vidya Mandir
Near Lodhi Hostel, Bhatera
Balaghat M.P. 481 001 India
Phone ; 91 9425822228
Email ; cdcindia@rediffmail.com
Website ; www.cdcmp.org

निदेशक की कलम से

वर्ष 2008–09 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है, कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर के लिए यह वर्ष काफी महत्वपूर्ण रहा जहॉ संस्था की कुछ संस्थाओं के साथ एक लंबी सफल भागीदारियॉ संपन्न हुई वहीं कुछ अन्य संस्थाओं के साथ भागीदारी के अवसर प्राप्त हुए। केयर इंडिया के साथ लगभग छैः वर्ष और पेक्स कार्यक्रम के लगभग चार वर्ष की परियोजनाएं समाप्त हुईं।

दोनों परियोजनाएं अपनी अलग विशिष्टताओं की वजह से जानी जाती हैं जहॉ केयर द्वारा अनुदानित एकीकृत पोषण और स्वास्थ्य परियोजना मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर केंद्रित थी वहीं पेक्स कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना महिलाओं के सशक्तिकरण और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए संचालित की गयी। दोनों ही परियोजनाओं के परिणाम काफी बेहतर हैं जहॉ एक ओर बैहर विकासखंड के 12 गॉवों में महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया ठोस रूप में प्रारंभ हुई है साथ ही इस प्रक्रिया को सतत बनाये रखने की आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर केंद्रित परियोजना ने बालाघाट और सिवनी जिले में क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। कुपोषण में आयी कमी स्पष्ट दिखायी दे रही है वहीं सेवाप्रदाताओं की क्षमता में वृद्धि भी परिलक्षित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं की पॅहुच विहीन क्षेत्रों में पॅहुच संभव हुई है साथ ही जिले स्तर पर समीक्षा भी प्रारंभ हुई है।

इसी के साथ साथ संस्था की अन्य परियोजनाएं भी बेहतर रूप में क्रियांवित होती रहीं और छोटे छोटे स्तर पर छोटे छोटे मॉडल बनाने में सफल रहीं जिनकी पुर्नरावृत्ति की जानी चाहिए। नये भागीदारों में म.प्र.राज्य एड्स नियंत्रण समिति, कॉटनवुड फाउंडेशन, सी.सी.एफ. और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार प्रमुख हैं।

संस्थागत विकास में सभी परियोजनाओं का कुछ ना कुछ योगदान रहता है, आज संस्था क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान रखती है, जिसकी वजह है पारदर्शी व्यवस्थाएं और प्रभावी कार्यक्रम क्रियांवयन। यह संभव होता है समिति के सदस्यों के सहयोग, विश्वसनीयता और मागदर्शन से मैं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूॅ साथ ही संस्था में शामिल हुए नये सदस्यों का स्वागत भी करता हूॅ, अंत में संस्था में कार्यरत सभी सदस्यों को धन्यवाद और शुभकामनाएं प्रेषित करना चाहता हूॅ जिनके अथक परिश्रम और जवाबदेही ने संस्था के कार्यों को प्रभावी बनाया है।

अमीन चार्ल्स
कार्यकारी निदेशक

सम्पन्न परियोजनाएं

Projects Completed during the year

एकीकृत पोषण और स्वास्थ्य परियोजना

Integrated Nutrition and Health Project III [INHP III]

एकीकृत स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना जिसे संस्था बालाघाट और सिवनी जिले में वर्ष 2003 से क्रियांवित कर रही थी इस परियोजना का समापन सितंबर 2008 में किया गया। परियोजना का विधिवत समापन केयर इंडिया और परियोजना स्टॉफ ने सेक्टर, विकासखंड और जिला स्तर पर स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के साथ बैठकें आयोजित कर की। परियोजना में हमने जो उपलब्धियॉं हासिल की उसमें प्रमुख है

- बच्चों में कुपोषण की कमी
- स्वास्थ्य सेवाओं की पॅहुचविहीन क्षेत्रों तक उपलब्धता सुनिश्चित होना
- सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभाव के आंकलन की व्यवस्था
- समुदाय और आंगनवाडी केंद्र स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य व्यवहारों को स्थायित्व

अंतिम वर्ष में संस्था ने दो अध्ययन भी किये जिसमें बालाघाट जिले में बैगा जनजातियों में परियोजना के प्रभाव तथा सिवनी जिले में आई.सी.डी.एस. पर आई.एन.एच.पी का प्रभाव देखने का प्रयास किया गया। दोनों अध्ययनों का विस्तृत प्रतिवेदन संस्था की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

शिशु मृत्यु एवं कुपोषण को दूर करने में। सामुदायिक सहभागिता दिखायें ॥
6 माह तक स्तन पान. उसके बाद उपरी खान पान..
द्वारा- एकीकृत पोषण एवं स्वास्थ्य परि. केयर म.प्र.
सहयोगी संस्था कम्युनिटी
बच्चे को जन्म के तुरन्त बाद साफ सूती से पोछकर लपेटें
बच्चे की नाल पर, तैल, किरकिरा कुछ भी न लगायें
जन सहयोग की शक्ति से, कुपोषण मिटेगा बस्ती से..

संस्था केयर इंडिया के प्रति इस भागीदारी के लिए आभार और धन्यवाद प्रेषित करती है। साथ ही आशा है भविष्य में यदि कोई अवसर बनते हैं तो हम पुनः साथ कार्य कर सकेंगे।

सम्पन्न परियोजनाएं

Projects Completed during the year

सामूदायिक विकास के लिए सामूहिक प्रयास

Collective Action for Community Empower [CACE]

पेक्स कार्यक्रम के अंतर्गत विकास विकल्प और डी.एफ.आई.डी. सहायतित परियोजना का समापन भी सितंबर 2008 में हुआ पर इस परियोजना में महिला साक्षरता कार्यक्रम का समापन फरवरी 2008 में संपन्न हुआ। संस्था ने इस परियोजना का ना सिर्फ क्रियांवयन किया बल्कि जिले की तीन अन्य छोटी छोटी संस्थाओं के लिए परियोजना का समन्वय भी किया। संस्था ने बैहर विकासखंड के चयनित 12 गॉवों में महिलाओं के विकास की जो प्रकिया प्रारंभ की है वह निरंतर चल रही है। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के सशक्त फेडरेशन परियोजना के प्रभावी क्रियांवयन के प्रमाण हैं, महिलाओं में विचार अभिव्यक्ति से लेकर अपने अधिकारों के लिए लडाई, आजीविका सुनिश्चितता और शासकीय विकासीय कार्यक्रमों तक पॅहुच सुनिश्चित करना शामिल हैं।

अन्य उपलब्धि है तीन अन्य संस्थाएं जिन्होंने इस परियोजना के क्रियांवयन के दौरान संस्था से सीख प्राप्त की और आज स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सक्षम हैं, तीनों संस्थाएं लगभग 10 वर्षों से जिले में कार्यरत थी पर उन्हें कभी अवसर नहीं प्राप्त हुआ था और ना ही संसाधन, सी.डी.सी. की पहल ने इन संस्थाओं को विकास कार्यक्रमों को सीखने और अपनी पॅहुच बनाने का अवसर प्रदान किया और एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जहॉ से ये संस्थाएं आगे सतत कार्य कर सकती हैं।

परियोजना की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि रही, लगभग 1200 महिलाओं को साक्षर बनाना, इस कार्यक्रम ने महिलाओं में आत्मविश्वास और पढ़ने लिखने की क्षमता का विकास किया जिसका प्रतिफल है कि आज महिलाओं के छोटे छोटे समूह मजबूती से कार्य कर रहे हैं।

नवीन परियोजनाएं
New Projects

एच.आई.व्ही./एड्स पर लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना
Targeted Intervention Project on HIV/AIDS

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा सहायतित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना का प्रारंभ अक्टूबर 2008 से हुआ। परियोजना का कार्यक्षेत्र बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाडा और बालाघाट विकासखंड है। इन विकासखंडों में महिला यौन कर्मी [FSW] और एम.एस.एम. [MSM] के साथ कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष परियोजना का लक्ष्य 275 एफ.एस. डब्ल्यू. और 50 एम.एस.एम. हैं।

संघटक सेवायें
HIV AIDS
कता कार्यक्रम

परियोजना कार्यालय बैहर में स्थापित किया गया है, इस परियोजना की मुख्य गतिविधियॉं निम्न हैं

- लक्षित समूह तक एच.आई.वी. परीक्षण, उपचार और परामर्श सेवाएं प्रदान करना।
- कंडोम प्रोत्साहन उपलब्धता और उपयोग सुनिश्चित करना।
- एच.आई.व्ही के प्रवाह को रोकना और वापस करना।

एच.आई.व्ही. पॉजीटिव नेटवर्क
District Network of HIV Positive People

वर्ष 2008 की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही जब संस्था के अथक प्रयासों की वजह से जिले में एच.आई.वी. के साथ जीवन यापन करने वाले लोगों का नेटवर्क स्थापित हुआ और नेटवर्क ने कार्य करना प्रारंभ किया। संस्था ने एम.एन.पी.प्लस के साथ मिलकर इस नेटवर्क की स्थापना की है जिससे एच. आई.व्ही. पीड़ित व्यक्ति को हर प्रकार का सहयोग मागदर्शन और सुविधाएं प्राप्त हों। संस्था प्रयासरत है कि जिले में जितने भी व्यक्ति पॉजीटिव पाये जाते हैं उन्हें इस नेटवर्क से जोडा जावे जिससे जिले की भयावह तस्वीर में बदलाव लाया जा सके।

नवीन परियोजनाएं
New Projects

संरक्षित वनक्षेत्रों में आजीविका परियोजना
Livelihood Project in Protected Forest Area

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग और विश्व प्रकृति निधि भारत [WWF India] के समन्वय से इस परियोजना जिसे संस्था ने नाम दिया है **सहजीवन विकास प्रकल्प** का कियावयन दिसंबर 2008 से प्रारंभ किया गया।

कान्हा राष्टीय उद्यान के बफर जोन क्षेत्र में स्थित दो गॉव बलगॉव और लपटी को इस परियोजना के अंतर्गत लिया गया है। मूलतः वन एवं वन्यजीव संरक्षण को समुदाय की चिंता में लाने के उद्देश्य से इस तरह की 13 परियोजनाएं पूरे भारत वर्ष में संचालित की जा रही हैं जिसमें संस्था मध्यप्रदेश में कान्हा नेशनल पार्क के बफर जोन में कार्य कर रही है। नेशनल पार्क के कारण उन गॉवों में लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है जिससे समुदाय का नजरिया वन और वन्य जीव संरक्षण के प्रति नकारात्मक हुआ है। परियोजना एक प्रयोग की तरह है जिसमें प्रयास किया जा रहा है कि तकनीक के प्रयोग से आदिवासियों की आजीविका कृषि और वनोपज के माध्यम से सुनिश्चित की जा सके।

तीन वर्षीय परियोजना में 50 कृषकों के साथ सद्यन रूप से उनकी बाडी विकास पर कार्य किया जावेगा, छोटे छोटे तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से परिवारों की आजीविका को प्रथम वर्ष में ही बढ़ाने की संकल्पा संस्था की है। परियोजना इन परिवारों को वर्मी कम्पोस्ट, फलोद्यान और वनोपज की प्राथमिक प्रोसेसिंग और विपणन व्यवस्था से आजीविका को सुनिश्चित करेगी साथ ही वन और वन्यजीव संरक्षण में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देना है। जिससे जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या को कम किया जा सके।

सहजीवन विकास प्रकल्प

चौपाल परियोजना

Community Health through Strengthening of PRI & Local Self Governance

विगत दिसंबर 2006 से संचालित इस परियोजना ने प्रभावी भूमिका निभानी प्रारंभ किया है। सामूदायिक स्वास्थ्य में मुख्यतः स्वच्छ पेयजल, शौचालयों के प्रयोग और बेहतर स्वास्थ्य व्यवहार तथा इन सुविधाओं के लिए स्थानीय स्तर पर चिंता और कार्यक्रम नियोजन तथा कियांवयन में पंचायतों की भूमिका को लेकर कार्य किया जा रहा है।

लालबर्रा के 18 और वारासिवनी के 8 गॉवों में कियांवित की जा रही परियोजना की विशेषता है इन गॉवों में गठित ग्राम स्वास्थ्य समितियॉ जो कि सकियता के साथ कार्य कर रही है। जिले में समितियॉ गठित तो हुई हैं पर वे सकिय नहीं हैं परियोजना ने ग्राम स्वास्थ्य समितियों और पंचायतों की सकियता के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यकमों का आयोजन किया जिसका परिणाम है कि ये समितियॉ सकिय हैं और गॉव की छोटी छोटी समस्याओं पर कार्य कर रही हैं।

परियोजना चौपाल
नुक्कड़ नाटक
सहयोग: एस.डी.टी.टी. मुंबई

विगत वर्ष में संस्था ने परियोजना की विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें नुक्कड नाटक, फिल्म प्रदर्शन, स्वास्थ्य जागरूकता और उपचार शिविर, शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण, युवाओं के लिए प्रशिक्षण और मुख्य रूप से ग्राम पंचायत की महिला पंच प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण। इन सभी कार्यकमों का लाभ आगामी समय में दिखायी देगा। परियोजना क्षेत्र की ग्राम पंचायत चीचगॉव निर्मल ग्राम पंचायत के रूप में चिन्हित हो चुकी है। इस तरह के प्रयास अन्य गॉवों में भी प्रारंभ हो चुके हैं। इस परियोजना के अंतर्गत स्थानीय संस्था स्वास्थ्य संरक्षक समिति वारासिवनी विकासखंड में कार्य कर रही है।

अन्य परियोजनाएं एवं कार्यक्रम
Other Projects and Programme

पर्यावरण जागरूकता अभियान
National Environment Awareness Campaign

एप्को भोपाल के सहयोग से पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी इस अभियान में संस्था को भागीदारी का अवसर प्राप्त हुआ। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर पॉच दिवसीय जागरूकता अभियान का आयोजन संस्था द्वारा विकासखंड बैहर के ग्राम करवाही, मेंडकी, परसाटोला और भंडेरी में किया गया। इस जागरूकता अभियान में स्थानीय शिक्षण संस्थाओं, पंचायतों और महिला स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। यह लगातार चौथा वर्ष था जब संस्था ने इस अभियान में भागीदारी की।

विश्व पर्यावरण दिवस
2009

शहद ईकाई
Honey unit

कॉटनवुड फाउंडेशन यू.एस.ए. के सहयोग से वनों में मिलने वाले शहद के वैज्ञानिक पद्धति से दोहन पर 10 बैगा परिवारों को प्रशिक्षण और किट उपलब्ध करायी गयी। साथ ही मधुमक्खी पालन के लिए एक परिवार को एक सेट उपलब्ध कराया गया। साथ ही शहद के प्रोसेसिंग ईकाई की स्थापना ग्राम भंडेरी में की गयी है। इस वर्ष इन परिवारों ने इस कार्यक्रम से लाभ अर्जित नहीं किया पर आगामी वर्ष में इन परिवारों की आय में वृद्धि होने की संभावना है।

मधुमक्खी के पालन में स्थानीय स्तर पर कई परेशानियॉ आने के कारण शहद अधिक नहीं बन पाया, जैसे फूलों की कमी, आवश्यक पानी नहीं मिल पाना आदि, आगामी वर्ष में इसे और अधिक व्यवस्थित रूप से क्रियांवित करने की योजना है साथ ही अन्य परिवारों को इस कार्यक्रम से जोडा जावेगा।

अन्य परियोजनाएं एवं कार्यक्रम

Other Projects and Programme

रोजगार ग्यारंटी पर जागरूकता अभियान

Campaign on NREGA [National Rural Employment Guarantee Act]

कासा और विकास विकल्प के सहयोग से संस्था ने पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोजगार ग्यारंटी पर अभियान का आयोजन किया, इस कार्यक्रम में व्याप्त तमाम अनियमितता और जानकारियों का आभाव इस अभियान के दौरान देखने को प्राप्त हुआ। संस्था ने विकासखंड स्तर पर एक सलाहकार समिति का गठन भी किया और प्रशासन के समक्ष क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराने का प्रयास भी अभियान के माध्यम से किया। इस अभियान से संस्था को भी सीख मिली और यह आवश्यक लगा कि इसे सतत जारी रखने की आवश्यकता है क्योंकि तमाम प्रयासों के बावजूद 100 दिनों का रोजगार सभी को प्राप्त नहीं है।

सूचना का अधिकार अभियान

Campaign on RTI [Right to Information]

समर्थन भोपाल के सहयोग से 35 पंचायतों में सूचना के अधिकार पर जागरूकता अभियान का आयोजन संस्था की ओर से किया गया। इस अभियान के अंतर्गत छोटे छोटे स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और प्रशिक्षण, बैठकों, फिल्म प्रदर्शन, नुक्कड सभाओं के माध्यम से जानकारियों का प्रचार प्रसार किया गया। इस अभियान का प्रभाव था कि 10 पंचायतों ने अपनी पंचायत का स्वद्योषणा पत्र तैयार किया है जिसमें पंचायत की आय व्यय से लेकर हितग्राहियों, गरीबी रेखा के परिवार आदि की जानकारी शामिल है।

इस अभियान से प्रेरित होकर लोगों ने अपने अधिकार का प्रयोग किया और जानकारियॉ मांगी हैं जिसे एक शुरूआत माना जा सकता है।

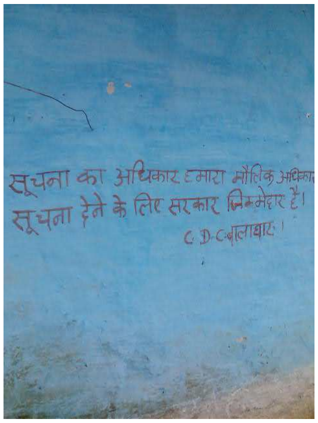
सूचना का अधिकार हमारा मौलिक अधिका
सूचना देने के लिए सरकार जिम्मेदार है।
C.D.C बालाघाट।

संस्थागत विकास एवं आय व्यय

Organization Development & Financial Report

संस्थागत विकास

Organization Development

संस्थागत विकास के संदर्भ में देखा जावे तो संस्था अपने लक्ष्य की ओर निरंतर प्रगति कर रही है, संस्था के पास आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं जो संस्था को अपने कार्यक्रम और परियोजनाएं क्रियांवित करने में सहयोगी हैं, संस्था की साधारण सभा में दो नये सदस्यों ने पद भार ग्रहण किया जिसमें श्री रमेश यादव जो कि विगत 15 वर्षों से मंडला में कार्यरत हैं और श्रीमती लिसी अब्राहम जो बालाघाट से हैं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने का व्यापक अनुभव रखती हैं। संस्था में कार्यरत लगभग 17 पूर्व स्टॉफ आज म.प्र. आजीविका परियोजना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं यह संस्था के लिए गर्व की बात है क्योंकि संस्था ने इन सभी पूर्व स्टॉफ की क्षमताओं, दृष्टिकोण और सोच में बदलाव लाया है कि ये लंबे समय तक विकासीय गतिविधियों में कार्य करते रहेंगे। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सभी पूर्व स्टाफ स्थानीय और बिना किसी तकनीकि योग्यता प्राप्त हैं। वर्तमान में कार्यरत स्टॉफ भी संस्था में लगातार अपनी क्षमताओं का विकास कर रहे हैं।

वित्तीय लेखा

Financial Report

इस वर्ष संस्था को केयर इंडिया, एस.डी.टी.टी., म.प्र.एड्स नियंत्रण समिति, कासा, समर्थन, एम.पी.व्ही.एच.ए., कॉटनवुड फाउंडेशन, डेव्हलपमेंट अल्र्टनेटिव्स, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सहायता प्राप्त हुई, इस वित्तीय वर्ष की कुल प्राप्तियॉं संस्था के लेखा प्रतिवेदन के अनुसार रू. 2030084.00 है और व्यय रू. 1991364.00 है तथा संस्था के खातों में रू. 1043162.00 मार्च 2009 की स्थिति में है। हम सभी दानदाता संस्थाओं के आभारी हैं और धन्यवाद प्रेषित करते हैं साथ ही संस्था के सदस्यों और व्यक्तिगत दानदाताओं को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

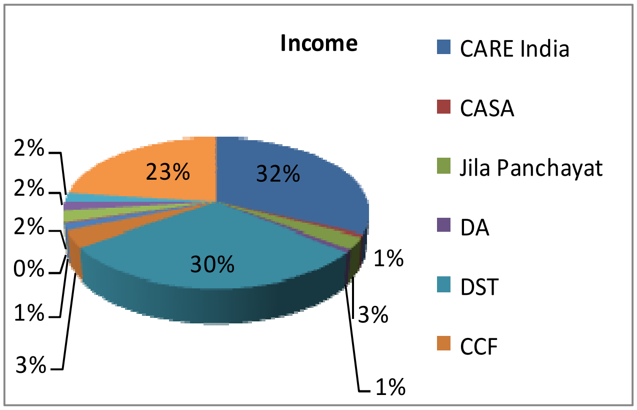

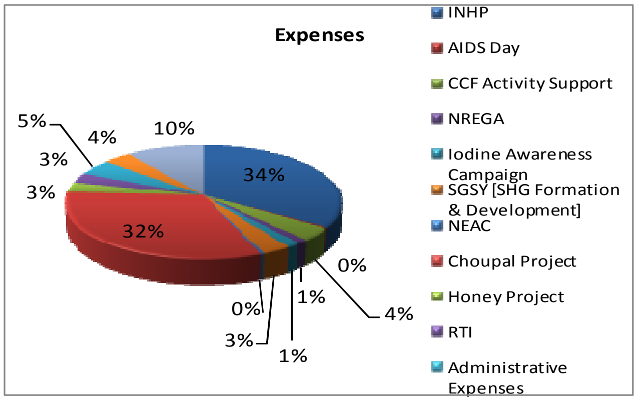

सभी परियोजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत रिर्पोट संस्था की वेबसाईट में उपलब्ध हैं।

Progress reports of all project and programmes available on website of the organization

www.cdcmp.org